

(भारत के राजपत्र असाधारण भाग-II, खण्ड-3, उपखंड (ii)में प्रकाशनार्थ)

भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
विदेश व्यापार महानिदेशालय

अधिसूचना सं० ०६/२०१५-२०२०
नई दिल्ली, दिनांक: ०८ मई, २०१७

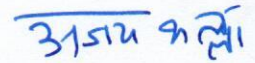
सा० आ०(अ०) विदेश व्यापार नीति, २०१५-२०२० के पैरा १.०२ के साथ पठित, यथा संशोधित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, १९९२ की धारा ५ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा वर्ष २००६ की सीए सं० ५५४ में दिनांक २७.१०.२०१५ के माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के परिणामस्वरूप, केन्द्र सरकार एतद्वारा दिनांक ०१.०४.२००५ से ३१.०३.२००६ के दौरान किए गए निर्यात के लिए समय-समय पर यथा संशोधित विदेश व्यापार नीति की टारगेट प्लस स्कीम में निम्नलिखित संशोधन करती है:

१. दिनांक २०.०२.२००६ की अधिसूचना सं० ४८ (आर ई २००५)/२००४-२००९ के खंड ७ को संशोधित कर निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

“यह निर्यात के लिए २०.०२.२००६ से लागू होगा।”

२. दिनांक १२ जून, २००६ की अधिसूचना सं० ०८ (आर ई-२००६)/२००४-२००९ तथा दिनांक १३ जुलाई, २००६ की अधिसूचना सं० २० (आर ई २००६)/२००४-२००९ को एतद्वारा प्रारंभ से निष्प्रभावी किया जाता है।

इस अधिसूचना का प्रभाव: वर्ष २००६ की सीए सं० ५५४ में दिनांक २७.१०.२०१५ के माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार टारगेट प्लस स्कीम कार्यान्वित की जाती है।



(ए.के.भल्ला)

महानिदेशक विदेश व्यापार
ई-मेल:- dgft@nic.in

(फा० सं० ०१/९४/१८०/८९३/एएम-०८/पीसी-३ पार्ट से जारी)